रेडियो

आकाशवाणी अथवा रेडियो आधुनिक विज्ञान की एक ऐसी दें है जिसने आधुनिक मानव – समाज को सर्वाधिक प्रभावित एव आकर्षित किया है | यह एक ऐसा श्रव्य माध्यम है जो अनेक प्रकार की जानकारियाँ , शिक्षाएँ, समाचार आदि देने के साथ –साथ घर बैठे-बैठे अनेक तरह से हमारा मनोरंजन भी किया करता है | यह मानव का बहुत अच्छा मित्र है |

रेडियो का अविष्कार इटली के मार्कोनी नामक एक वैज्ञानिक ने किया था | उसने शान्त जल में पत्थर का टुकड़ा फेकने से उत्पन्न लहरों से प्रेरणा पाकर ही इसका आविष्कार किया था | इसके बाद कई वैज्ञानिकों ने रेडियो में काफी सुधार किए है | उनके सुधार के फलस्वरूप ही यह अधिक उपयोगी एव महत्त्वपूर्ण बन पाया है | आज यह इतना सरल साधन बन गया है कि इसे हम ट्रांजिस्टर के रूप में अपनी जेबों तक में लिए घूम-फिर सकते है | रेडियो को जन-जन तक पहुँचाने वाला पहला केन्द्र सन 1921 ई. में इंग्लैण्ड में स्थापित किया गया था | वहाँ से पहली बार इंग्लैण्ड से लेकर न्यूजीलैण्ड तक समाचार प्रसारित एव प्रेषित करके इस आविष्कार ने सारे विश्व को चकित एव विस्मित कर दिया था |

सर्वप्रथम तो रेडियो से केवल संवाद ही सुने जाते थे | बाद में अनेक वैज्ञानिकों के सुधार ने बाद तो उसके द्वारा गीत, संगीत , कविता , कहानी और नाटक आदि भी सुने जाने लगे | इसके द्वारा कार्यक्रमों को प्रसारित करने के लिए विश्व के कई देशो में रेडियो – स्टेशन खुले | बाद में इसके व्यापक प्रचार के साथ-साथ ये रेडियो – स्टेशन प्रमुख नगरो में भी स्थापित होते गए | आज तो आकाशवाणी का उपयोग कई प्रकार से हो रहा है तथा इसका महत्त्व भी दिन-प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है | यह हजारो –लाखो कलाकारों, तकनिशियनो, निर्माताओ , विक्रेताओ व् अन्य कर्मचारियों के घर – परिवारों के लिए रोटी –रोजी का साधन बना हुआ है | इसके माध्यम से व्यापारी वर्ग अपनी वस्तुओ के विज्ञापन देकर अपने लाभ में वृद्धि कर लेते है | यह प्रतिदिन प्रात : से लेकर साय तक ताजे समाचारों के अनेक बुलेटिन प्रसारित करके लोगो की जानकारियों को सहज ही अन्तर्राष्ट्रीय आयाम प्रदान कर देता है | यह हमे नई-से-नई सूचनाएँ ,क्रषि-कार्यो और मौसम आदि की जानकारी भी देता रहता है | इसके द्वारा खोया –पाया, रेलवे और वायुयान आदि की समय –सारिणी तथा

बाजार – भाव भी बताए जाते है | इन्ही सब तथ्यों के आधार पर इसके महत्त्व को समझा जा सकता है | विज्ञान की एक महत्त्वपूर्ण देंन आज का एक सदाबहार आविष्कार बन गया है | उपरोक्त तथ्यों के आधार पर आकाशवाणी को 'भानुमती का पिटारा' कहना सर्वथा उचित है |